

राजस्थान पुलिस अकादमी में राज्य स्तरीय पुलिस शहीद दिवस समारोह सम्पन्न

पुलिस अधिकारी शहीदों के बलिदान से प्रेरणा लेकर
कर्तव्यनिष्ठा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करें

– महानिदेशक पुलिस

जयपुर 21 अक्टूबर। महानिदेशक पुलिस राजस्थान श्री मनोट भट्ट ने आज राजस्थान पुलिस अकादमी में आयोजित 57 वें पुलिस शहीद दिवस समारोह में पुलिस अधिकारियों का आह्वान किया कि वे देश सेवा की खातिर ड्यूटी पर रहते हुए शहीदों के बलिदान से प्रेरणा लेकर भारतीय पुलिस के कार्यों की उच्चतम परम्पराओं का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत कर आमजन के लिए मिसाल बनें। श्री भट्ट ने अकादमी के प्रांगण में शहीदों के बलिदान को याद करते हुए कहा कि आज से 57 वर्ष पूर्व भारत चीन सीमा पर 16000 फीट की ऊंचाई पर बर्फीली एवं दुर्गम पहाड़ियों में तैनात केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों की बटालियन पर हुए चीनी सैनिकों के हमले में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर जाबाजों की शहादत की स्मृति में पुलिस शहीद दिवस मनाया जाता है। तब से प्रतिवर्ष पुलिस शहीद दिवस अपने देश के हर पुलिस संगठन व संस्थान उन वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए मनाते हैं, जिन्होंने कर्तव्य एवं निष्ठा का पालन की खातिर अपनी जान की बाजी लगा दी। उन्होंने कहा कि समस्त भारत में अनेक पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी दुष्कर परिस्थितियों में राष्ट्र सेवा के लिये पूर्णरूप से समर्पित रहते हुए वीर गति को प्राप्त करते हैं। उन्होंने समारोह में मौजूद समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों व उनके परिजनों का आह्वान किया कि हमारी ओर से देश के शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी, जब हम उनके त्याग, आदर्शों एवं देशसेवा की भावना से प्रेरणा लें। अपने उद्बोधन के पश्चात् श्री भट्ट ने देश के सभी प्रान्तों, केन्द्र शासित प्रदेशों व अर्द्ध सैन्य बलों के एक सितम्बर, 2015 से 31 अगस्त, 2016 तक के विभिन्न संवर्ग के सभी 473 शहीद अधिकारियों एवं कर्मचारियों के पदनाम व उनके नाम का वाचन कर उन्हें सम्मान दिया। इसके पश्चात् श्री भट्ट ने परेड कमाण्डर प्रीति चौधरी के निवेदन पर परेड का निरीक्षण किया।



पुलिस शहीदों की शहादत याद करने की आज से नई पहल

इस अवसर पर श्री भट्ट ने कहा कि आज से देश के पुलिस संगठन एवं केन्द्रीय पुलिस संगठन एक नई पहल करने जा रहे हैं जिसके तहत देश सेवा हेतु अपने प्राणों की बलि देने वाले जाबाज अधिकारियों, सिपाहियों एवं कर्मचारियों ने जिन विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में पढ़ाई की थी, वहाँ सम्बंधित जिले के वृत्ताधिकारी एवं थानाधिकारी उन शहरों, कस्बों एवं गांवों में विधार्थियों एवं अध्यापकों को उनकी शहादत की गाथा से अवगत करायेंगे ताकि अधिक से अधिक युवा देश सेवा की भावना से प्रेरित होकर केन्द्रीय पुलिस संगठनों एवं पुलिस संगठनों में सम्मिलित हो सकें। इसके पश्चात पुलिस संगठनों की परम्पराओं के अनुसार सबसे पहले महानिदेशक पुलिस श्री भट्ट एवं पूर्व महानिदेशक पुलिस श्री ओमेन्द्र भारद्वाज, केन्द्रीय आसूचना ब्यूरो के सेवानिवृत्त संयुक्त निदेशक श्री के.सी. मीणा व केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के पुलिस अधीक्षक श्री योगेश कुमार शर्मा, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस श्री नन्दकिशोर एवं सेवानिवृत्त अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री सुरेन्द्र सिंह एवं आरपीए के निदेशक श्री राजीव दासौत एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री महेन्द्र चौधरी ने शहीद स्थल पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी इस दौरान परेड में भाग ले रहे पुलिसकर्मी शहीदों के सम्मान में सिर झुकाये खड़े रहे व समारोह में मौजूद पुलिस अधिकारी व कर्मचारी और उनके परिजन खड़े होकर दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी व परेड में शामिल पुलिस बैण्ड ने "लास्ट पोस्ट" व शहीदों को "राउस रिवेली" की धून बजायी व परेड में शामिल पुलिस कर्मियों ने तीन राउन्ड फायर किये। इस मौके पर सेवानिवृत्त महानिदेशक पुलिस श्री ओमेन्द्र भारद्वाज, सेवानिवृत्त महानिदेशक होमगार्ड श्री एस.पी.सिंह श्रीवास्तव, श्री भट्ट एवं केन्द्रीय आसूचना ब्यूरो के सेवानिवृत्त संयुक्त निदेशक श्री के. सी. मीणा एवं महानिदेशक पुलिस श्री मनोज भट्ट ने शहीद स्थल के बाहर नवनिर्मित "शहीद स्मारक सम्मान पट्टिका" का विधिवत अनावरण किया। इस अवसर पर पूर्व पुलिस महानिदेशक श्री के.एस. बैंस, महानिदेशक हाउसिंग श्री जसवन्त सम्पतराम, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस श्री सुनील मेहरोत्रा, श्री नन्द किशोर, श्री पंकज कुमार सिंह, श्री बी.एल. सोनी, श्री भूपेन्द्र दक, श्री यू.आर. साहू, ओ.पी. गल्होत्रा, श्री उमेश मिश्रा एवं पुलिस मुख्यालय, आरपीए, पुलिस आयुक्तालय जयपुर के अनेक अधिकारी, कर्मचारी एवं शहीदों के परिजन आदि उपस्थित थे।

